देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 86 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 5 जुलाई 2022

विचार-प्रवाह...
मंकी पॉक्स एक नई चुनौती

मौसम अधिकतम 31.0° न्यूनतम 25.0° | 40243.39 | 2 | 12 देशों में कई प्रमुख राष्ट्र थे तैयार | 7 | चेतेश्वर पुजारा ने शानदार वापसी की

दुनिया को दिशा दे रहा भारत: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी किया 'डिजिटल इंडिया सप्ताह 2022' का शुभारंभ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गांधीगनर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर में डिजिटल इंडिया वीक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने इंडियास्टैक ग्लोबल, माईस्कीम और मेरी पहचान–नेशनल सिंगल साइन ऑन का उद्घाटन किया। साथ ही डिजिटल इंडिया भाषिणी और जेनेसिस का भी उद्घाटन किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, आज का ये कार्यक्रम 21वीं सदी में निरंतर आधुनिक होते भारत की एक झलक लेकर आया है, तकनीक का सही इस्तेमाल पूरी मानवता के लिए कितना क्रांतिकारी है इसका उदाहरण भारत ने डिजिटल इंडिया अभियान के तौर पर पूरे विश्व के सामने रखा है। मुझे खुशी है कि 8 वर्ष पहले शुरू हुआ ये अभियान बदलते हुए समय के साथ खुद को विस्तार दे रहा है। हर साल डिजिटल इंडिया अभियान में नए आयाम जुड़े हैं, नई तकनीक का समावेश हुआ है। आज जो नए प्लेटफार्म और प्रोग्राम लॉन्च हुए हैं, वो इसी श्रृंखला को आगे बढ़ा रहे हैं। इनका बड़ा लाभ भारत के बड़े इकोसिस्टम को होगा। समय के साथ जो देश आधुनिक तकनीक को नहीं अपनाता, समय उसे पीछे छोड़कर आगे निकल जाता है। तीसरी औद्योगिक क्रांति के समय भारत इसका भुक्तभोगी रहा है। लेकिन आज भारत चौथी औद्योगिक क्रांति इंडस्ट्री 4.0 में दुनिया को दिशा दे रहा है।

अश्विनी वैष्णव बोले, स्टार्टअप इंडिया शुरू होने पर विपक्ष ने तंज कसा था: इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा– जब स्टार्टअप इंडिया शुरू हुआ था तब प्रतिपक्ष किस तरह कटाक्ष करता था। 2014 में जहां मात्र 400–700 स्टार्टअप थे लेकिन आज 73 हजार स्टार्टअप हैं। इन स्टार्टअप ने 7 लाख रोजगार का सृजन किया है। 2014 में भारत में जहां 2–5 यूनिकॉर्न थे और आज 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। आज हमें दुनिया के तीन सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्वीकारा गया है।

आठ साल पहले इंटरनेट डेटा बहुत महंगा था

पीएम ने कहा, आठ साल पहले इंटरनेट डेटा के लिए जितने पैसे खर्च करने पड़ते थे उससे कई गुना कम यानी एक प्रकार से नगण्य में आज उससे भी बेहतर इंटरनेट डेटा सुविधा मिल रही है। डीबीटी के माध्यम से बीते 8 साल में 23 लाख करोड़ रुपए से अधिक सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजे गए हैं। इस तकनीक की वजह से देश के 2 लाख 23 हजार करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। गांव में सैंकड़ों सरकारी सेवाएं डिजिटली देने के लिए पिछले 8 वर्ष में 4 लाख से अधिक नए कॉमन सर्विस सेंटर जोड़े जा चुके हैं। आज गांव के लोग इन केंद्रों से डिजिटल इंडिया का लाभ ले रहे हैं।

अल्लूरी सीताराम की जीवन यात्रा एक प्रेरणा स्त्रोत

भीमावरम। प्रधानमंत्री मोदी आंध्र प्रदेश के भीमावरम में अल्लूरी सीताराम राजू के 125वीं जयंती पर साल भर तक चलने वाले समारोह में शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए पीएम ने स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू को एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक बताया।

विजयवाड़ा में पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक!

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रधानमंत्री मोदी के हेलिकॉप्टर के सामने काले गुब्बारे उड़ाने पर अब तक 4 कांग्रेसियों को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनूठे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और हवा में काले गुब्बारे छोड़े। पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि यह सुरक्षा चूक का मामला नहीं है। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के डीएसपी विजय पाल ने बताया, इस मामले में कुल 4 कांग्रेसी गिरफ्तार हो चुके हैं। कुछ और की गिरफ्तारी बाकी है। चारों कांग्रेस वर्करों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि पीएम मोदी के गन्नावरम आगमन के दौरान कोई सुरक्षा चूक नहीं हुई।

संक्षिप्त समाचार

एनआईए प्रमुख ने की अमित शाह के साथ बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती में नृशंस हत्याओं को लेकर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गईं हैं। गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को इन मामलों की जांच करने का निर्देश देने के कुछ दिनों बाद एनआईए प्रमुख दिनकर गुप्ता ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय राजधानी में उनके कार्यालय में एक बैठक की।

महानगर भाजपा प्रशिक्षण वर्ग में सीएम

संवाददाता देहरादून। भारतीय जनता पार्टी महानगर भाजपा के 5 से 7 जुलाई तक होने वाले प्रशिक्षण वर्ग की कार्यशालाओं में प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित प्रदेश भाजपा के दिग्गज भाग लेंगे। पिछले 8 वर्षो में हुए अंत्योदय प्रयत्न, संगठन संरचना में कार्यकर्ताओं की भूमिका, मीडिया की समझ एवं सोशल मीडिया का महत्व पर संवाद होगा।

देश में 90 प्रतिशत वयस्क आबादी का हुआ पूर्ण टीकाकरण

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- जीतेंगे महामारी के खिलाफ लड़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में 90 प्रतिशत वयस्क आबादी का पूर्ण कोरोना टीकाकरण हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डाक्टर मनसुख मंडाविया ने इस बात की जानकारी दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सोमवार को ट्विटर पर लिखा, श्क्या यह असाधारण उपलब्धि है! पीएम मोदी जी के सबका साथ, सबका प्रयास के मंत्र के साथ भारत ने अपनी 90 प्रतिशत वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण प्राप्त कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सब एक साथ कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई जीतेंगे।

पिछले 24 घंटों में आए 16 हजार से ज्यादा कोरोना के नए मामले: बता दें कि देश में अभी कोरोना के सक्रिय मामले एक लाख 13 हजार 864 (1,13,864) हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आज अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में 16,135 नए कोरोना के मामले दर्ज किए गए हैं। देश में कोरोना के मामलों की कुल संख्या 4 करोड़ 35 लाख 18 हजार 564 (4,35,18,564) हो गई है, जबकि सक्रिय मामले बढ़कर 1,13,864 हो गए हैं। सोमवार को जारी आकंड़ों के अनुसार कोरोना के चलते देश में 24 लोगों की मौत हो गई है। देश में कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 05 लाख 25 हजार 223 (5,25,223) हो गई है।

विशेषज्ञों का दावा है कि भारत के कम से कम दस राज्यों में ओमीक्रोन का नया सब–वेरिएंट बीए.2.75 फैल चुका है। देश के जिन राज्यों से बीए.2.75 के मामले मिले हैं, उनमें दिल्ली, जम्मू, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र शामिल है।

देश में कोरोना की रिकवरी दर है 98 प्रतिशत से ज्यादा

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोरोना के सक्रिय मामलों में कुल संक्रमणों का 0.26 प्रतिशत शामिल है, जबकि देश में कोरोना की रिकवरी दर 98.54 प्रतिशत दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे के अंदर में कोरोना के सक्रिय मामलों में 2,153 मामलों की वृद्धि दर्ज की गई है।

शिंदे सरकार ने भारी मतों से किया फ्लोर टेस्ट पास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की अगुवाई में बनी नई सरकार ने सोमवार को भारी मतों से फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। बता दें कि एकनाथ शिंदे को कुल 164 मत मिले, जिसके बाद महाराष्ट्र विधानसभा में सीएम एकनाथ शिंदे का बयान सामने आया। फ्लोर टेस्ट पास करने के बाद शिंदे ने ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पेट्रोलियम पर वैट में कटौती करने का एलान किया। शिंदे के इस एलान से सूबे में डीजल पेट्रोल की कीमतों में कमी आएगी।

सीएम एकनाथ शिंदे ने संवाददाताओं को नव निर्वाचित सरकार के फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार किसी राज्य की सरकार के साथ आती है, तो उस सूबे में विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आश्वासन दिया है कि राज्य की बेहतरी के लिए केंद्र हमारी सरकार के साथ खड़ा है।

फैसला

■महाराष्ट्र में कम होंगी डीजल पेट्रोल की कीमतें

हम महाराष्ट्र के लोगों को राहत देने के लिए पेट्रोलियम पर वैट में कटौती करेंगे।

एकनाथ शिंदे ने सभी लंबित परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सभी लंबित परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की जरूरत है। हम इस दिशा में तेजी से काम करेंगे। देवेंद्र फडणवीस के अनुभव से हमें निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। हमने पिछली सरकार में देवेंद्र फडणवीस के निर्णय लेने की गति देखी है। वह रुके हुए काम को पूरा कराते हैं। इस सरकार में भी, हम लंबित परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास करेंगे, चाहे वह मेट्रो परियोजना हो या समृद्धि महामार्ग। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा हम शिवसैनिक हैं और हमेशा बालासाहेब और आनंद दिघे के शिवसैनिक रहेंगे।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

आरपीएफ को भीड़ नियंत्रण का दिया जाएगा प्रशिक्षण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। हाल के प्रदर्शनों के दौरान भीड़ के आक्रोश से भारी नुकसान होने के बाद रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को भीड़ नियंत्रण, जन व्यवस्था प्रबंधन एवं भीड़ मनोविज्ञान में प्रशिक्षित करने का फैसला किया है। इसके लिए मेरठ स्थित रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी फार पब्लिक आर्डर (आरएपीओ) से संपर्क किया गया है। यह पहली बार है, जब रेलवे सुरक्षा बल को भीड़ नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि पिछले सालभर में कई अवसरों पर उसे प्रदर्शनकारियों की भीड़ से निपटना पड़ा।

हाल में हुए बवाल के बाद हरकत में आया रेलवे

आरपीएफ को रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। अकादमी में सोमवार को 182 कर्मियों के पहले बैच का प्रशिक्षण शुरू हुआ।

संस्थान के एक अधिकारी ने कहा, आरएपीओ में हमने राज्य पुलिस तथा संयुक्त राष्ट्र के मिशन पर तैनात किए गए बीएसएफ जवानों को प्रशिक्षण दिया है। हमें जिस संगठन से अनुरोध मिलता है, हम उसके कर्मियों को प्रशिक्षण देते हैं।

न्यूज डायरी

फिनलैंड और स्वीडन के बाद अब बुल्गारिया से भी बढ़ा रूस का तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बुल्गारिया। यूक्रेन से जारी रूस की जंग से बढ़ते तनाव का लगातार विस्तार हो रहा है। इस युद्ध के इर्द–गिर्द आने वाले कई दूसरे देशों से रूस का विवाद भी जारी है। इसी सूची में अब बुल्ग्गारिया भी शामिल हो गया है। यूक्रेन से जारी युद्ध से पैदा हुई स्थितियों के बीच बुल्गारिया सरकार ने राजधानी सोफिया में स्थित रूसी दूतावास को बंद कर दिया है। इस फैसले के बाद रविवार को बुल्गारिया स्थित रूसी दूतावास के 70 राजनयिक अपने परिवारों के साथ मास्को लौट गए। बुल्गारिया ने सोफिया में नियुक्त राजनयिकों को अवांछित करार देते हुए उन्हें देश से बाहर जाने के लिए कहा था। बुल्गारिया सरकार के फैसले के परिणामस्वरूप राजनयिक और उनके परिवार दो विमानों में सवार होकर रूस लौटे हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के काफिले पर हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान के सदस्यों को लेकर जा रहे काफिले पर हमला करने का मामला सामने आया है। टोलो न्यूज ने ट्वीट कर बताया, अज्ञात लोगों ने हेरात शहर के केंद्र में तालिबान 207 अल–फारूक कार्प्स के सदस्यों को ले जा रही एक मिनीबस पर हमला कर दिया। टोलो न्यूज ने पश्तो में ट्वीट कर कहा, अज्ञात बंदूकधारियों ने पश्चिमी हेरात प्रांत में अल–फारूक कार्प्स के एक काफिले पर हमला कर दिया है। स्थानीय अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है, लेकिन उन्होंने सुरक्षा बलों के हताहत होने के बारे में नहीं बताया। हेरात पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद शाह रसूल ने कहा कि हमलावरों में से एक हमलावर मारा गया है। जबकि कई लोग घायल हो गए। मोहम्मद शाह रसूल ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह हेरात के चौथे पुलिस जिले में हुई जब अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वाहन पर हमला कर दिया।

पाकिस्तान में हज यात्रा करने के लिए भी लोग हो रहे परेशान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक ओर जहां आम लोगों को महंगाई समेत काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर अब वहां के लोगों को हज यात्रा करने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था की भयावह स्थिति और देश की सरकार की अक्षमता अब जग जाहिर हो रही है। भारी हज पैकेजों के कारण देश की गठबंधन सरकार तीर्थयात्रियों को सब्सिडी प्रदान करने में विफल रह रही है। सब्सिडी नहीं मिलने से हज यात्रियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई तो इसके कारण यात्रा भी नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में वित्तीय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा क्योंकि उन्हें हज सब्सिडी नहीं मिली। हज यात्रियों को अब तक सब्सिडी का एक हिस्सा भी नहीं मिला है। विशेष रूप से, देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तीर्थयात्रियों को कुल 150,000 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपया) सब्सिडी को मंजूरी दी थी।

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने में नाकाम रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भले ही अपनी स्थापना के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि चीन में महिलाओं की स्थिति बेहद दयनीय है। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। श्द न्यूयार्क पोस्टश की रिपोर्ट के अनुसार, आठ बच्चों की मां, जो इस साल जनवरी में गर्दन से एक बाहरी शेड में जंजीर से बंधी हुई दिखाई दे रही थी, ने महिलाओं के साथ देश में हो रहे व्यवहार को लेकर तीखी प्रतिक्रया व्यक्त की। महिला की कहानी सार्वजनिक होने के बाद स्थानीय चीनी सरकार ने पांच विरोधाभासी बयान जारी किए। उसने गांव को तुरंत सील कर दिया, टिप्पणियों को शांत करा दिया और सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करने वाले नेटिजन्स को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अभी तक इस बात की जानकारी नहीं हो पाई है कि जंजीर से बंधी महिला आजाद है या नहीं।

तालिबानी सरकार की एक गलती उसे बड़ी भारी पड़ी

करीब 12 देशों में कई प्रमुख राष्ट्र थे तैयार

खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान आतंकियों के सत्ता में आए 11 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक उन्हें मान्यता नहीं मिल पाई है। तालिबानी मंत्री दुनिया से गुहार लगा रहे हैं लेकिन दुनिया उन्हें अनसुना कर रही है। इस बीच अब खुलासा हुआ है कि इस साल मार्च महीने में पाकिस्तान समेत 12 देश तालिबान को मान्यता देने के लिए तैयार हो गए थे लेकिन तालिबानी सरकार की एक गलती की वजह से उन्होंने अपना फैसला टाल दिया। दरअसल, तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वादा किया था कि वह लड़कियों की शिक्षा समेत अपने अन्य वादों को पूरा करेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पाकिस्तान के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा, तालिबान ने एक बड़े अवसर को खो दिया। करीब 10 से 12 देश मार्च महीने में सक्रिय रूप से तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए सक्रिय रूप से विचार कर रहे थे। इस पूरी प्रकिया में शामिल अधिकारी ने कहा कि तालिबान ने लड़कियों की शिक्षा समेत अन्य वादों को पूरा नहीं किया जिससे इनमें से कई देश अपनी योजना से पीछे हट गए।

तालिबान ने दुनिया को दिया धोखा, अब भुगत रहेः अधिकारी ने कहा कि न केवल पाकिस्तान बल्कि कई अहम देश तालिबान के शासन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो गए थे। उन्होंने कहा, अगर इन देशों ने तालिबान को मान्यता दे दी होती तो अन्य देश भी इसका अनुसरण करते। उन्होंने कहा कि इस अवसर को खोने के लिए तालिबान केवल जिम्मेदार हैं। तालिबान जब सत्ता में आए थे तब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वासन दिया था कि एक मिलीजुली सरकार बनेगी और अपनी जमीन का वे आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

तालिबान ने यह भी वादा किया था कि वह महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तालिबान ने लड़कियों के लिए स्कूल भी नहीं खोला। यही वजह रही कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने तालिबान सरकार को मान्यता देने से हाथ खींच लिया। जून में पाकिस्तान के दौरे पर आए जर्मनी के विदेश मंत्री ने साफ कह दिया था कि तालिबान सरकार गलत दिशा में जा रही है। तालिबान सरकार को मान्यता नहीं मिलने से वह अपने लोगों को राहत नहीं दे पा रही है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने दोहा में अमेरिका के विशेष दूत से मुलाकात की थी और अफगान सेंट्रल बैंक की संपत्तियों को फिर से लौटाने का अनुरोध किया था। अमेरिका ने अभी कोई जवाब नहीं दिया है।

इमरान खान की पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने खोली पोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने अमेरिकी अधिकारी डोनाल्ड लू से गुपचुप माफी मांग ली है। यह वही अधिकारी हैं जिन पर इमरान खान ने अपनी सरकार को गिराने के लिए धमकी देने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नई सरकार ने डोनाल्ड लू से माफी मांगने के सभी सबूत मिल गए हैं। ख्वाजा आफिस ने कहा कि इमरान खान की पार्टी के नेताओं ने अमेरिकी सरकार के साथ बैठक की है जहां उन्होंने यह माफी मांगी है। पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने कहा कि एक तरफ इमरान खान जनता के सामने अमेरिका के विरोध में नारे लगा रहे हैं, वहीं अब उनकी पार्टी अपनी गलतियों के लिए माफी मांग रही है।

आसिफ ने कहा कि इमरान खान ने अमेरिका को संदेश भेजा है कि वह चीजों को दुरुस्त करना चाहते हैं और सुपरपावर के साथ अपने अच्छे रिश्ते चाहते हैं। इमरान खान ने डोनाल्ड लू पर उनकी सरकार को गिराने की साजिश करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार अमेरिका के आदेशों का पालन कर रही है।

चंद्रमा पर कब्जा करना चाहता चीनी ड्रैगन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दक्षिण चीन सागर से लेकर लद्दाख तक दादागिरी दिखा रहे चीन के अंतरिक्ष में बढ़ते मंसूबे पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख ने चेतावनी दी है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा है कि चीन संभवतः चंद्रमा पर कब्जा करना चाहता है जो उसके सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा है। नेल्सन ने कहा कि अमेरिका अब एक नई अंतरिक्ष रेस से निपट रहा है जो इस बार चीन के साथ है। इससे पहले अमेरिका की सोवियत संघ के साथ अंतरिक्ष में होड़ हुई थी जो यूएसएसआर के विघटन के बाद समाप्त हुई।

भारत–रूस की दोस्ती की मिसाल पहला ड्रोन फाइटर जेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। भारत ने शुक्रवार को ऑटोनमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर का पहला फ्लाइट टेस्ट किया है। इस ड्रोन को भविष्य के फाइटर ड्रोन्स का लीडर करार दिया जा रहा है। इस ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत है इसमें लगा इंजन जो रूस में तैयार हुआ है। इसकी पहली सफल उड़ान के साथ ही, इसे भारत और रूस की दोस्ती की नई मिसाल करार दिया जा रहा है। भारत की सेनाओं के जो हथियार हैं उनमें रूस का योगदान सबसे ज्यादा है। अब इस ड्रोन के शामिल होने के बाद सेनाओं को नई ताकत मिल सकेगी।

ड्रोन में लगा इंजन बहुत ही ताकतवर

ड्रोन में एनपीओ सैटर्न AL–55 इंजान लगा है जिसे एक हाई परफॉर्मेंस वाला टर्बोफैन इंजन कहा जाता है।

अमेरिकी बॉम्बर जेट साः इस ड्रोन को बेंगलुरु स्थित एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट की तरफ से तैयार किया गया है। इस ड्रोन के सफल परीक्षण के बाद अहम और संवेदनशील मिलिट्री सिस्टम को शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। ड्रोन की खासियत इसके फिक्स्ड विंग्स हैं जो इसे पारंपरिक एयरक्राफ्ट से अलग करते हैं। इसकी डिजाइन अमेरिका के खतरनाक बी–2 बॉम्बर जेट से मिलती जुलती है।

इस ड्रोन में लगा इंजन बहुत ही ताकतवर है। इसे एडवांस्ड ट्रेनर और लाइट अटैक हेलीकॉप्टर्स में भी प्रयोग किया जा चुका है। इस इंजन को हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के HJT–36 सितारा ट्रेनर जेट में भी प्रयोग किया जा चुका है। इसके अलावा घातक यूएवी में भी यही इंजन लगा है। सबसे बड़ी बात है कि इस ड्रोन के सफल होने के बाद भारत अब इसी तरह के ड्रोन तैयार कर सकेगा जिनमें रूस का इंजन लगा होगा। देश की सेनाओं के पास ज्य्यादातर हथियार ऐसे हैं जो रूस में बने हैं।

दुनिया का सबसे ताकतवर देश भी रहा था गुलाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। हर साल 4 जुलाई को अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। इस बार ये अमेरिका का 246वां स्वतंत्रता दिवस है। अब आप ये सुनकर चौंक सकते हैं कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश जिसके पास सबसे ज्यादा हथियार हैं, वो भी गुलाम रहा है। जी हां, अमेरिका भी ब्रिटेन के अधीन रहा है और 4 जुलाई 1776 को उसने ब्रिटिश साम्राज्य से आजाद होने का ऐलान किया था। इसके साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका की स्थापना की गई थी। इस दिन पर देश में छुट्टी रहती है। इस मौके पर आमतौर पर आतिशबाजी होती है। पार्क में लोग पिकनिक मनाते हैं, कई तरह के गेम्स का आयोजन होता है। साथ ही राजनीतिक भाषण और कई दूसरी तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। ये दिन अमेरिका का राष्ट्रीय दिवस है। अमेरिका जिसे अंकल सैम के तौर पर भी जानते हैं, वो भी ब्रिटिश शासन का गुलाम रहा। ग्रेट ब्रिटेन से अलग होने का फैसला बहुत बड़ा फैसला था।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

एक दूसरे को कंधें पर बैठकर गदेरे पार कर रहे गांववाले

साल 2020 में भीषण बारिश के चलते बह गये थे सीसी पुल

जिम्मेदार कौन

गाड को पार करने में उठाना पड़ रहा जोखिम

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। साल 2020 में खुमती ग्रम सभा में हुई भीषण बारिश के चलते सीसी पुल नदी के तेज बहाव में समा गये। तब से लेकर आज तक अस्थाई पुल की मांग कर रहे ग्रमीण जान हथेली पर रखकर एक दूसरे को कंधें पर बैठाकर आवाजाही कर गाड पार कर रहे है। ऐसे में गांव के लोगों के हौसले बिल्कुल भी टस से मस तक नही हो रहे है। बता दें कि ऐसे में गांव की बड़ी आबादी को खासतौर पर आवाजाही करने में दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक ग्रम पंचायत ग्रम सभा खुमती के अन्य गांव दुमौलिया , रोलाताली ,घटखोला ,गरूडिया, सुयालथोड , थोडा की तमाम आबादी को वर्तमान में उफनाती हुई गाड को पार करने में जोखिम उठाना पड़ रहा है।

दूसरी ओर अब तक शासन प्रशासन को कई बार अस्थाई पुल बनाने की मांग करने के बाद भी आजतक इनकी उपेक्षा किये जाने से खुमती गांव के ग्रमीण खासतौर पर ठगा सा महसूस कर रहे है। खुमती ग्रम सभा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के पिछले पांच रोज से बंद होने की पजह से गांव की जनता को पैदल करीबन बारह से सोलह किमी पैदल खड़ी चढ़ाई तय करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

हालात यह है कि सीमांत तहसील क्षेत्र में जहां रोजाना जमकर तेज मूसलाधार बारिश हो रही है। ऐसे में गांव के ग्रमीणों की मुश्किलें थमनें का नाम नही ले रही है।

वहीं दो दिन बाद क्षेत्र के स्कूली बच्चों के स्कूल अब खुलने की तैयारी में है। एसे में स्कूली बच्चों के साथ कोई खतरा होगा तो ऐसे में संबधित घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा। यह सवाल भी आमतौर आमजन खुमती में एक दूसरे से कर रहा है।

न्यूज डायरी

जवान मुकेश सिंह को सैन्य सम्मान के साथ दी गई विदाई

संवाददाता बागेश्वर। बंगाल इंजीनियरिंग के एक जवान की बीमारी के कारण निधन हो गया है। उनका उपचार सेना के अस्पताल चंडीगढ़ में चल रहा था। सोमवार को उनका पार्थिव शरीर उनके गांव पहुंचा। स्वजनों के अंतिम दर्शन के बाद सरयू और गोमती संगम पर उन्हें सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके असमायिक निधन पर परिवार पूरी तरह टूट गया है। वह अपने माता–पिता के इकलौते पुत्र थे। रवांईखाल के बुढ़गढ़ गांव निवासी 35 वर्षीय मुकेश सिंह परिहार 2003 में बंगाल इंजीनियरिंग में भर्ती हुए। वर्तमान में वह 236 यूनिट में सियाचिन में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सेना के अस्पताल चंडीगढ़ लाया गया। जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।

सात से नौ जुलाई तक चंडीदेवी रोपवे का भी नहीं होगा संचालन

संवाददाता हरिद्वार। अर्द्धवार्षिक मेंटनेंस कार्य के चलते चलते चार से छह जुलाई तक मां मनसा देवी और सात से नौ जुलाई तक मां चंडी देवी रोपवे का संचालन बंद रहेगा। रोपवे संचालन करने वाली कंपनी उषा ब्रेको लिमिटेड के जनरल मैनेजर मनोज डोभाल ने बताया कि मेंटनेंस कार्य के चलते अलग–अलग तिथियों में रोपवे का संचालन बंद रहेगा। चंडीदेवी पैदल मार्ग में ठेलियों ओर प्लास्टिक की पालीथिन अवैध दुकानों का कब्जा है। वह विभाग की जमीन पर आखिर किसकी मिलीभगत से अतिक्रमण हो रहा है। पतित पावनी गंगा से सटे नील पर्वत पर मां चंडी माता का मंदिर है।

रेनो काइगर ने की भारत में 50,000वें वाहन के निर्माण की उपलब्धि हासिल

संवाददाता देहरादून। भारत में नंबर एक यूरोपीय ब्रांड, रेनो ने आज चेन्नई स्थित अपने संयंत्र में निर्मित 50,000वें रेनो काइगर को बाजार में उतारा है। रेनो इंडिया ने बेहद आकर्षक व शानदार वाहन, रेनो काइगर की जबरदस्त कामयाबी को बनाए रखने के अपने संकल्प पर खरा उतरते हुए और इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, काइगर को बिल्कुल नए स्टील्थ ब्लैक कलर में पेश किया है। वेंकटराम मामिलपल्ले, कंट्री सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, रेनो इंडिया ऑपरेशंस के अनुसार, रेनो काइगर को बड़ी संख्या में ग्राहकों ने काफी पसंद किया है, क्योंकि यह वाहन अपने बेहद खास डिजाइन, स्मार्ट फीचर्स, अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं, बेहतरीन गुणवत्ता और शानदार प्रदर्शन के मामले में उन्हें पैसा वसूल प्रस्ताव देता है। भारत में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा सबसे ज्यादा है और काइगर ने इस सेगमेंट में अपनी काबिलियत साबित की है।

पार्टी के गद्दारों को मंच पर बैठा कर किया जा रहा सम्मानित

संवाददाता काशीपुर। चुनाव के समय की अदावत अभी खत्म नहीं हुई। काशीपुर में टिकट का विरोध करने की पूर्व विधायक की कसक रह रहकर निकल रही है। मतदान के समय भी भितरघात के चर्चे सुनाई दिए थे वहीं यह जिन्न फिर निकल आया है। पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने कहा कि पार्टी के गद्दारों को मंच पर बैठा कर सम्मानित किया जा रहा है। जबकि उन्हें पार्टी में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अपनी आत्मा से स्वयं पूछे कि क्या वह भाजपा के सच्चे शुभचिंतक हैं? जो कृत्य उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में किया है। उससे पार्टी के पदाधिकारी ही नहीं बल्कि कार्यकर्ता भी मानने को तैयार नहीं है।

पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा सोमवार को रामनगर रोड स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों के साथ वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि काशीपुर की जनता का कहना है कि पार्टी के साथ गद्दारी करने वाले के खिलाफ संगठन बड़े पदाधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए और उनको पद मुक्त किया जाना चाहिए।

पूर्व विधायक ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जब तक इन गद्दारों के खिलाफ संगठन कोई कार्रवाई नहीं करता तब तक वह आवाज उठाते रहेंगे। चीमा ने कहा की नगर निगम पूर्व में लग रहे खड़कपुर देवीपुरा एवं ढकिया गुलाबों में हाट बाजार एवं पांच अन्य स्थानों पर साप्ताहिक हाट बाजार लगवा कर ठेके पर देने जा रहा है।

किसानों को नकली दवाएं दे रहे दुकानदारः राजपाल

संवाददाता रुद्रपुर। किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल ने सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि खाद की दुकानों में किसानों को नकली दवाएं दी जा रही हैं। इसकी कई बार शिकायत भी आ चुकी है, लेकिन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने एआर को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा ऊर्जा निगम, उद्यान विभाग, रेशम विभाग, पशुपालन, कृषि आदि की समीक्षा की। कहा कि किसानों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण एवं योजनाओं का प्रचार–प्रसार कर लाभ दिया जाए। विकास भवन स्थित सभागार में सोमवार को किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल ने किसानों की समस्या सुनी। इसके बाद लघु सिंचाई विभाग की ओर से चल रही योजनाओं एवं किसानों को दिए गए लाभ के बारे में अधिशासी अभियंता विनय कुमार से जानकारी ली।

नैनीताल में तेज रफ्तार के चलते खाई में गिरी कार, बिजनौर निवासी चार घायल

संवाददाता नैनीताल। शहर के समीपवर्ती हल्द्वानी मार्ग में नैना गांव के समीप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में कार सवार चार लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया। इसके बाद घायलों को बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से दो को हल्द्वानी रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार दोपहर नगीना बिजनौर निवासी आतिफ नैनीताल से कार संख्या यूपी–20–सीए–8401 से नैनीताल से हल्द्वानी की ओर जा रहे थे। इस दौरान वाहन में नगीना बिजनौर निवासी आदिल, कल्लू और डिगर भी बैठे हुए थे। नैना

गांव के समीप गति अधिक होने के कारण अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और गहरी खाई में गिर गया। हादसे में वाहन सवार चारों युवक बुरी तरह चोटिल हो गए। खाई में वाहन गिरता देख राहगीरों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना पर रूसी चौकी प्रभारी महेंद्र प्रसाद अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब एक घंटा रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला गया। अधिक चोट होने के कारण चौकी इंचार्ज अपने निजी वाहन से ही घायलों को तत्काल बीडी पांडे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चारों को उपचार दिया गया।

डॉ अजहर ने बताया कि कल्लू और आदिल को सिर में अधिक चोट होने के कारण सीटी स्कैन और बेहतर उपचार के लिए हल्द्वानी रेफर कर दिया गया है।

मंडलसेरा की महिलाओं का जिलापूर्ति कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता बागेश्वर। बीपीएल कार्डों को कार्डधारक की मर्जी के बगैर निरस्त कर उन्हें एपीएल में शामिल करने पर मंडलसेरा की महिलाएं भड़क गई हैं। उन्होंने जिला पूर्ति कार्यालय पर प्रदर्शन किया और कहा कि जिनके परिवार में सरकारी कर्मचारी हैं। उनके कार्ड अभी बचे हैं, जबकि उनके कार्डों को निरस्त कर दिया है। जबकि उनके यहां कोई भी सरकारी कर्मचारी नहीं है। इस तरह की मनमानी हुई तो आंदोलन तेज कर दिया जाएगा। सोमवार को मंडलसेरा की महिलाएं जिला पूर्ति कार्यालय में धमक गईं। उन्होंने जोरदार नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। उसके बाद वह धरने पर बैठ गईं। यहां हुई सभा में महिलाओं ने कहा कि पूर्ति विभाग ने उनके राशन कार्डों को निरस्त कर दिए हैं। उन्हें सरकारी राशन से वंचित कर दिया गया है। उनके परिवार में कोई भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं है। वह मेहनत, मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे हैं। उनके कार्ड निरस्त करने का कोई औचित्य नहीं है।

मनुष्य को सिर्फ दो महान आध्यात्मिक चीजों की आवश्यकता होती है। पहला, दूसरों की गलतियों को भूलना और दूसरा, अपने अन्दर अच्छाई लाना।
–अज्ञात।

मंकी पॉक्स एक नई चुनौती

यह भी कहा जा रहा है कि चूंकि स्मॉल पॉक्स का उन्मूलन हो जाने के बाद अब उसके टीके का इस्तेमाल नहीं होता है, इसलिए संभव है कि इस वायरस के लिए तेजी से फैलना पहले के मुकाबले आसान हो गया हो।

राधा वर्मा।।

पहले महामारी और फिर युद्ध से उपजे मुश्किलात झेलती दुनिया के सामने मंकी पॉक्स के रूप में एक नई चुनौती आ गई है। विभिन्न देशों में इसके सौ से ज्यादा मामलों की पुष्टि होने के बाद इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। एक सप्ताह पहले तक इसके मामले इतने कम थे कि इसे किसी तरह का खतरा नहीं माना जा रहा था। मगर पिछले कुछ ही दिनों में ब्रिटेन के साथ–साथ अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम सहित 12 देशों में इसके मरीज पाए जाने की पुष्टि हो गई। यही नहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने कहा है कि कुछ दिनों में इसके और भी मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि यह कोई नई बीमारी नहीं है। अफ्रीकी देशों में इसके हजारों मामले हर साल सामने आते हैं। लेकिन यह पहला मौका है जब अफ्रीका से बाहर इतने बड़े इलाके में इसका प्रसार देखा जा रहा है। इतने बड़े पैमाने पर संक्रमण का मतलब है कि यह पिछले कुछ समय से फैल रहा होगा जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। राहत की बात यह है कि अभी तक इन देशों में इस संक्रमण से किसी की मौत होने की खबर नहीं है। अफ्रीकी देशों के जिन इलाकों में यह बीमारी आम रही है वहां भी ज्यादातर लोग ठीक हो जाते हैं। औसतन दस मामलों में एक मौत देखी जाती है। मगर स्मॉल पॉक्स परिवार के इस वायरस का अचानक विभिन्न महादेशों में फैलाव कैसे हो गया यह गुत्थी वैज्ञानिकों को परेशान कर रही है। इसका कोई ठोस जवाब नहीं मिल पाया है। लेकिन इस आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता कि कहीं इस वायरस ने अपना रूप तो नहीं बदला है। अगर ऐसा हुआ होगा तो नए वेरिएंट के रूप में इसके लक्षण, संक्रमण की क्षमता वगैरह में भी परिवर्तन संभव है।

ब्रिटेन के स्वास्थ्य अधिकारी इस संभावना का पता लगा रहे हैं कि क्या सेक्स के जरिए भी इसका संक्रमण होता है? यह भी कहा जा रहा है कि चूंकि स्मॉल पॉक्स का उन्मूलन हो जाने के बाद अब उसके टीके का इस्तेमाल नहीं होता है, इसलिए संभव है कि इस वायरस के लिए तेजी से फैलना पहले के मुकाबले आसान हो गया हो। इन तमाम आशंकाओं के बीच भी घबराहट की स्थिति न बने इसके लिए यह ध्यान में रखना जरूरी है कि अभी भी मंकी पॉक्स संक्रमण के मामले बहुत कम हैं और इनके आम लोगों के बीच फैलने की गुंजाइश भी कम ही बताई जाती है। लेकिन एक बात तो यह कि ब्रिटेन में कम्युनिटी स्प्रेड शुरू हो चुका है यानी ऐसे केस सामने आ रहे हैं जिनमें संक्रमित व्यक्ति के अफ्रीकी देशों से आने वाले किसी शख्स के साथ संपर्क में आने की कोई बात नहीं है। दूसरे, इस वायरस के बारे में अब भी ज्यादा कुछ मालूम नहीं है। इसलिए किसी भी सूरत में सावधानी नहीं छोड़ी जा सकती।

सजा और सीख

अशोक वोहरा।

धर्म-दर्शन

मन में जब चिंताओं का कूड़ा और बुरे संस्कारों का कचरा भरा है, तब तक उपदेशामृत पान करना है तो सबसे पहले अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी।

एक बार एक राजा था जो किसी भी बात पर गुस्सा हो जाता था और बिना सोचे–समझे कोई भी सजा सुना देता था। एक बार उसे अपने महामंत्री पर गुस्सा आ गया और राजा ने उसे रातभर ठंडे पानी में खड़े रहने की सजा सुना दी। अगले दिन जब महामंत्री राजा के सामने पहुंचा तो उसके चेहरे पर मुस्कान थी। राजा यह देखकर हैरान रह गया। उसने महामंत्री से पूछा कि तुम इतने शांत और खुश कैसे हो? क्या तुम्हें डर नहीं लग रहा?

संपादकीय

खुदकुशी का साधन

एक बात और है। ज्यादातर लोग खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने लगे हैं। गोली मारना ज्यादा कारगर होता है बनिस्बत इस बात के कि कोई ज्यादा दवाई फांक ले या जहर खा ले। तो जो बंदूक अपनी और अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए नागरिक का हक बनी, उससे लोग न केवल छोटे–छोटे स्कूली बच्चों को बल्कि खुद अपने आप को भी मार रहे हैं। लेकिन दूसरों का भय दिखाकर जो कंपनियां भारी मुनाफे पर बंदूक बेच रही हैं, वे क्यों मानेंगी? अमेरिका में जब सेना और पुलिस रखने का चलन नहीं था, तब मिलिशिया का इस्तेमाल लड़ाइयों में होता था जो अपने–अपने राज्यों और समुदायों की हिफाजत के लिए लड़ते थे। उसी मिलिशिया का वास्ता देकर अब नागरिकों के नए–नए हथियारों के साथ घर से बाहर निकलने के तर्क गढ़ लिए गए हैं। सवाल है कि जब हर राज्य के पास कानून और व्यवस्था को कायम रखने के लिए पुलिस आदि की व्यवस्था है तो नागरिकों को हथियारों से लैस रखने की जरूरत ही कहां है? किसी 18 साल के बालिग को सीधे दुकान पर जाकर दो–दो अर्द्ध स्वचालित हथियार खरीदने की सुविधा क्यों होनी चाहिए? अमेरिका की समस्या सचमुच विकट है जहां भय और हिंसा का माहौल अपने उत्कर्ष पर है और लोग इस कदर डरे हुए हैं कि बंदूक रखना उनके स्वभाव और संस्कृति का जरूरी हिस्सा बन गया है।

ज्यादातर रिपब्लिकन सांसद 'हथियार रखने के इस नागरिक अधिकार' से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त करने को तैयार नहीं होते। यही वजह है कि इस वारदात के बाद राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति बाइडन असहाय से लगे।

गन लॉबी का दबदबा

मधुसूदन आनन्द।।

अमेरिका के टेक्सस राज्य में 18 साल के एक युवक ने एक स्कूल में अंधाधुंध गोलियां चलाकर 19 छोटे–छोटे बच्चों और उनके 2 अध्यापकों को मौत के घाट उतार दिया। वह पहले अपने घर में दादी को गोली मारकर आया था। फिर इस प्राथमिक स्कूल में घुसकर 19 मासूम बच्चों और उन्हें बचाने लिए आगे बढ़े 2 टीचरों को ए. आर. 15 जैसी अर्द्ध स्वचालित रायफल से भून डाला। संयोग से उसकी दादी तो बच गई लेकिन कुल 21 लोग बेबात मारे गए। इस युवक ने, जिसका नाम साल्वाडोर रामोस बताया गया था, हाल ही में अपना जन्मदिन मनाने से पहले दो रायफलें खरीदी थीं। हमले से कुछ ही मिनट पहले उसने फेसबुक पर लिखा था कि वह एक स्कूल में हमला करने जा रहा है और अपनी दादी को तो मार भी चुका है।

अमेरिका में इस तरह की नृशंस हत्या की घटनाएं इधर बढ़ती ही जा रही हैं। ऐसे क्रूर हत्यारे बच्चों के स्कूलों, चर्चों और बड़े–बड़े स्टोरों में बिना किसी कारण लोगों को एक साथ मारने का काम करते हैं। ऐसे लोग न तो कोई मानसिक रोगी होते हैं और न ही हिंसक अपराधी। सवाल यह है कि उनमें ऐसा क्या गुस्सा या जुनून है, जिसके कारण वे सामूहिक गोलीबारी करके लोगों को मारते हैं। इसका

एक ही उत्तर है कि अमेरिका बंदूक की संस्कृति से बुरी तरह परेशान है। वहां बंदूकें और पिस्तौलें बनानेवालों की ऐसी जबरदस्त और प्रभावशाली लॉबी है जो सरकार और संसद की चलने ही नहीं देती। अमेरिकी घरों में नागरिकों के पास करीब 40 करोड़ बंदूकें हैं। पारिवारिक रूप से भावनात्मक कमी, होड़ में पिछड़ने का एहसास या फिर अकेलेपन का डर किसी किशोर पर हावी हो जाता है तो वह अचानक एक जुनून का शिकार होकर अपने तईं समाज से बदला लेने के लिए उठ खड़ा होता है और इसके लिए सॉफ्ट टारगेट चुनता है।

अगर हम सपनों का देश कहे जाने वाले अमेरिका के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि यह गृहयुद्धों और युद्धों के सतत खूनखराबे के बाद ही अस्तित्व में आया है। वहां बेइंतहा जमीन थी और कृषि जीविका का सबसे बड़ा साधन था। इसलिए पहले जमीन खरीदना और फिर अपनी और अपनी संपत्ति की हिफाजत करना अमेरिकियों के खून में है। यही कारण है कि जब संविधान लागू करने की बात उठी तो अनेक राज्यों ने शर्त रखी कि इसमें नागरिक के अधिकार संबंधी बिल का समावेश किया जाए।

ऐसा नहीं कि सभी अमेरिकी हथियार रखने के पक्ष में हैं। ज्यादातर रिपब्लिकन सांसद 'हथियार रखने के इस नागरिक अधिकार' से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त करने को तैयार नहीं होते। यही वजह है कि इस वारदात के बाद राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति बाइडन असहाय से लगे। वे इतना ही कह पाए कि देश के लोग आगे आकर अमेरिकी संसद पर इतना दबाव डालें कि वह गन संबंधी कानूनों को कड़ा बनाए। उन्होंने भी इशारे से रिपब्लिकन पार्टी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। यानी बंदूक की अपसंस्कृति तो है ही, राजनीति का भी इसमें हाथ है। जब तक राजनीतिक सर्वानुमति नहीं बनेगी बंदूक के निर्बाध व्यापार का नियमन और नियंत्रण भी नहीं हो पाएगा। वैसे कुछ ऐसे राज्य हैं जहां बंदूक और गोली–बारूद के व्यापार का कुछ नियमन किया गया है। ये ऐसे राज्य हैं जहां निर्बाध रूप से बंदूक खरीदने बेचने वाले राज्यों की तुलना में बंदूकों से मरने वाले लोगों की संख्या कम है। ऐसे राज्यों में कैलिफोर्निया और हवाई शामिल हैं।

अष्टयोग-5049

	3		4	5		
2	30	7	31		34	2
1			3		7	
	28	6	31	6	39	3
4		1			5	7
3	30		32	7	34	
	5		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5048 का हल

2	3	6	4	1	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	1	3	6	7	2
6	28	5	35	3	39	6
1	2	4	6	7	5	3
5	30	3	42	5	34	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

बुनियादी अधिकारों से वंचित

मोहन। लोगों को आशंका थी कि अगर कभी केंद्र में बहुत मजबूत सरकार बनी तो वह लोगों को उन बुनियादी अधिकारों से वंचित कर सकती है, जिनकी राज्यों के संविधान में गारंटी दी गई है। इसलिए संविधान में दूसरा संशोधन करके यह सुनिश्चित किया गया कि लोगों के पास हथियार रखने का अधिकार बने रहना चाहिए। इससे अमेरिका में बंदूकें बनाने वालों की बन आई। आज स्थिति यह है कि हर 100 आदमियों पर 120.5 आग्नेयास्त्र हैं। मां–बाप इन हथियारों को बच्चों की पहुंच से दूर रखने में प्रायः विफल रहे हैं। इस साल अब तक कुल 149 दिनों में 212 सामूहिक नरसंहार हो चुके हैं। लेकिन गन–लॉबी इतनी तगड़ी और असरदार है कि सरकार कुछ नहीं कर पाती। रिपब्लिकन पार्टी के लोगों पर इस लॉबी का बहुत दबदबा है। संसद के उच्च सदन सीनेट में हर राज्य के दो–दो प्रतिनिधि होते हैं, राज्य चाहे कितना भी बड़ा या छोटा हो।

निक्की तम्बोली हुईं कोविड–19 पॉजिटिव, फैन्स से कही ये बड़ी बात

देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसका असर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में भी देखने को मिल रहा है। पहले साउथ ऐक्ट्रेस वेदिका ने संक्रमित होने की जानकारी दी थी। अब निक्की तंबोली ने भी इंस्टाग्राम पर अपने ब्व्टप्क –19 से पॉजिटिव होने की खबर फैन्स को दी है। साथ ही बताया है कि उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है और ट्रीटमेंट ले रही हैं। इसके अलावा उन्होंने सभी चाहने वालों से एक अपील भी की है। निक्की तंबोली इन दिनों म्यूजिक वीडियोज में दिखाई दे रही थीं। सोशल मीडिया पर भी वह खासा एक्टिव रहती हैं। एक पोस्ट कर ऐक्ट्रेस ने लिखा, श्सभी को हेलो, मैं गंभीर लक्षणों के साथ कोविड–19 पॉजिटिव हो गई हूं। इस बात की पुष्टि होने के बाद मैंने खुद को क्वॉरंटीन कर लिया है। मैं सभी जरूरी प्रिकॉशन्स भी ले रही हूं। निक्की तंबोली ने आगे लिखा, मेरी उन सभी से दिल से गुजारिश है, जो मेरे संपर्क में आए हैं वो जल्द से जल्द अपना टेस्ट करवा लें।

रणबीर कपूर की शमशेरा में हुई है केजीएफ की कॉपी?

बॉलिवुड फिल्मों की इन दिनों बुरी तरह भद्द पिटी हुई है। भूल भुलैया 2 ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ कर पाई है, नहीं तो बाकी सब औंधे मुंह ही गिरी हैं। साल 2022 का सातवां महीना शुरू हो गया है। और देखा जाए तो जनवरी से अब तक हिंदी इंडस्ट्री से जितनी भी फिल्में आई हैं, वह या तो किसी का रीमेक हैं या फिर सीक्वल या फिर बायोपिक। माने किसी सच्ची घटना पर आधारित। लेकिन इनमें कुछ नया देखने को नहीं मिला। खैर, अब रणबीर कपूर की शमशेरा 22 जुलाई को रिलीज होगी। उससे कुछ उम्मीद जरूर है। इसका ट्रेलर पहले आया और अब एक नया गाना, जिसका नाम है श्जी हुजूरीश। इसे देखने के बाद पर्सनली मुझे ऐसा लगा कि मैं झ्ळथ् के कोई गाने की सस्ती कॉपी देख रही हूं। आंखें तो तब निकल आईं, जब पूरा गाना देखा। यश और रणबीर कपूर का कैरेक्टर, कहानी सब मिलता–जुलता दिखाई देने लगा। तब मैंने सोचा क्यों न इस बारे में आप से भी शेयर किया जाए। तो चलिए वो–वो मौके बताते हैं कि जिन्हें देखकर पक्का से पक्का आपको केजीएफ की याद आ जाएगी।

अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज को ओटीटी पर फ्री में भी मत देखिएगा

चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने अपनी फिल्म के लिए इतिहास का वो किरदार चुना जिनकी वीरगाथा पढ़ते हुए हम पले–बढ़े हैं। देश के हिन्दू राजाओं में से एक पृथ्वीराज के साहस और वीरता की वो कहानियां रोंगटे खड़े कर देती हैं, जिसमें घोड़े पर सवार हवा से बातें करते हुए युद्ध के मैदान में अपने दुश्मनों का खात्मा करते हुए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं। पृथ्वीराज केवल साहसी और जांबाज राजा ही नहीं बल्कि नम्र और दयालु भी थे, जिन्होंने एक बार नहीं बल्कि मुस्लिम शासक सुल्तान मुहम्मद गौरी को एक बार नहीं बल्कि 15 बार युद्ध के मैदान में धूल चटाया था और हर बार उसे कैद करने के बाद रिहा भी कर दिया। खैर, यहां हम इतिहास के विषयों पर नहीं जाना चाहेंगे, बस एक ऑडियंस के रूप में उन पॉइंट्स पर जिसकी वजह से फिल्म इतनी बुरी पिटी है। यदि आप फिल्म यह सोचकर देखने बैठ रहे हैं कि इस फिल्म में आपको इतिहास के किताबों की छपी पृथ्वीराज की वीरता और साहस की कहानियों को पर्दे पर जीता जागता देखने को मिलेगा तो भूल जाइए। फिल्म के 5 मिनट की शुरुआत रोमांच लाती है, लेकिन जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है आपको लगेगा कि आप बुरी तरह से ठगे गए हैं। और युद्ध के कुछ ऐसे सीन हैं भी तो वो उस लेवल के नहीं जितना उन कहानियों में हम सबने सुन रखा था।

दीया शादी से पहले सेक्स और प्रेग्नेंसी को मानती हैं पर्सनल चॉइस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऐक्ट्रेस दीया मिर्जा के ट्वीट्स और स्टेटमेंट्स अक्सर वायरल होते हैं। वो अपनी बातों को लेकर काफी मुखर रहती हैं। ऐक्ट्रेस का मानना है कि सभी को अपनी हर बात कहने का हक है, जिसके लिए वो सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। हाल ही में दीया ने एक और सेंसेशनल टॉपिक पर अपनी राय रखी है। ऐक्ट्रेस ने बताया कि वह शादी से पहले सेक्स और प्रेगनेंसी के बारे में कैसा महसूस करती हैं। उन्होंने इसे एक 'पर्सनल चॉइस' कहा और कहा कि यह केवल वो लोग कर सकते हैं, जिन्हें उनके डिसीजन लेने में कोई खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग उतने प्रगतिशील नहीं हैं जितना कोई सोच सकता है।

शादी के बाद सवालों के घेरे में दीया

दीया ने फरवरी 2021 में बिजनेसमैन वैभव रेखी से शादी की। शादी के तुरंत बाद, उन्होंने अप्रैल में अपनी प्रेगनेंसी की घोषणा की। उस समय भी उनसे उसकी शादी और गर्भावस्था के समय के बारे में पूछताछ की गई थी। इस पर दीया ने सफाई दी कि प्रेग्नेंसी की वजह से उन्होंने शादी नहीं की। उसी साल जुलाई में उन्होंने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने अव्यान रखा है।

प्रेगनेंसी पर्सनल चॉइस

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में दीया ने कहा कि समाज में कई लोग शादी से पहले सेक्स और प्रेग्नेंसी को अधिकार मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जब पर्सनल चॉइस की शक्ति की बात आती है, तो यह केवल उन लोगों के लिए है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि वे असल में पर्सनल चॉइस ही है। धमकी नहीं देते, चुनाव करने से डरते नहीं हैं जो आपको एक इंसान के रूप में करना चाहिए।'

लोग प्रोग्रेसिव नहीं- दीया मिर्जा

आगे उन्होंने कहा, 'और जबकि कई लोग शादी से पहले यौन संबंध या प्रेगनेंसी या उस मामले के लिए किसी भी दूसरी चीजों पर अलग विचारों वाले हो सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो इस बात को समझते हैं कि यह एक व्यक्तिगत पसंद है कि लोगों को ऐसा करने का अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि लोग उतने प्रोग्रेसिव हैं जितना हम कल्पना करते हैं या जैसा हम खुद को समझते हैं।'

दीया मिर्जा की फिल्में

दीया मिर्जा अगली बार फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा की आने वाली फिल्म 'भीड़' में नजर आएंगी। उन्होंने पहले उनके साथ 'थप्पड़', 'दस' और 'कैश' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने तापसी पन्नू की फिल्म 'धक धक' को भी फिल्माया, जिसमें रत्ना पाठक शाह, फातिमा सना शेख और संजना सांघी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

टैटू करवाने वाली फैन को मिला ऐक्टर से मिलने का मौका

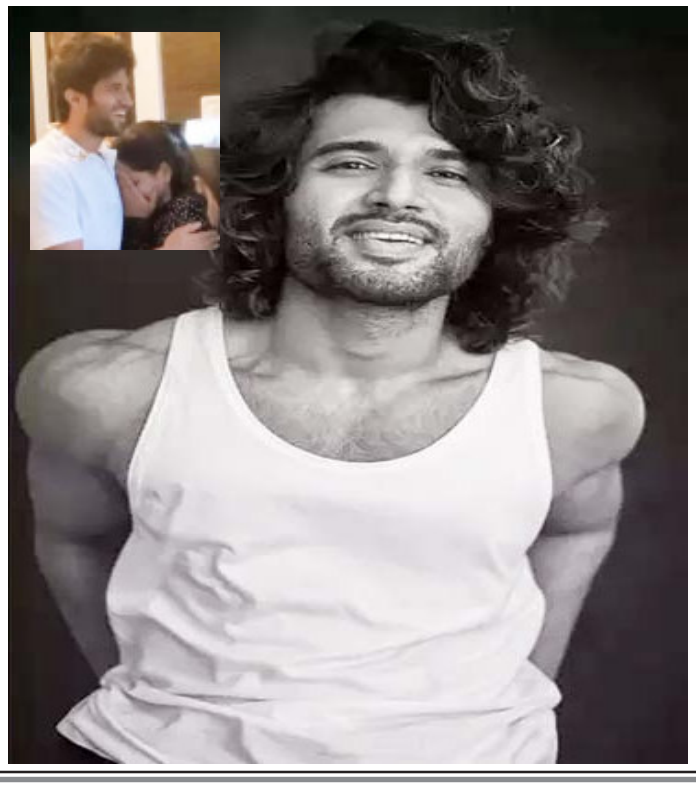

खासतौर पर उनकी फीमेस फैंस, वो तो बस ऐक्टर की एक झलक पाने के लिए बेताब रहती हैं। उसके ऊपर से ऐक्टर ने आज अपनी फिल्म लाइगर से अपना पोस्टर शेयर कर सभी के दिलों में आग लगा दी है। इसी बीच, विजय की एक वीडियो सोशल मीडिय पर ट्रेंड कर रही हैं, जिसमें अपने टैलेंट से वो देशभर की सभी औरतों का दिल जीत रहें है।

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की ह्यूज फैन फॉलोइंग है। देश के हर कोने में विजय के मेल और फीमेल फैन्स मौजूद हैं, जो उनसे बेहद प्यार करते हैं।

फीमेल फैन के ड्रीम को पूरा किया

इस वीडियो में 'लाइगर' स्टार विजय अपनी डाई–हार्ड फीमेल फैन के साथ बातचीत करते हुए नजर आ रहें है। ये वीडियो इंटरनेट पर हर तरफ वायरल हो चुकी है। इस वीडियो पर कमेंट करते हुए कुछ फैन्स ने लिखा कि विजय ने न सिर्फ अपनी फैन की एक ड्रीम सच की है। बल्कि जब उनके साथ इंटरैक्शन करते वक्त फैन की आंखें भर आईं, तो स्टार ने उन्हें सांत्वना भी दिया। बता दें कि विजय की इस डाई–हार्ड फीमेल फैन ने अपनी बैक पर उनकी पिक्चर और सिगनेचर टैटू कराया था, जिसे वो विजय देवरकोंडा को दिखाने के लिए काफी एक्साइटेड थी।

फैन को गले से लगा लिया

ऐसे में जहां विजय को देखकर उनकी ये फैन अपनी आंखों पर यकीन नही कर पा रही थीं और सदमे में आने के साथ ही इमोशनल हो गईं। वहीं दूसरी तरफ विजय ने उन्हें गले लगाया और सांत्वना दी, जिससे विजय के कई और फैन्स को इस लकी फैन से जलन भी हो गई होगी।

लाइगर में विजय का लुक

बता दें, यंग स्टार श्लाइगरश के साथ इंडस्ट्री में तूफान लाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें वो एक एमएमए फाइटर के रूप में नजर आएंगे। ये स्पोर्ट्स–एक्शन फिल्म 25 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें विजय के साथ ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे स्क्रीन शेयर करेंगी। इन दोनों की साथ में ये पहली फिल्म होगी।

पेट में गर्मी समेत गंभीर बीमारियों का संकेत है मुंह में छाले

इन गंभीर बीमारियों का संकेत है मुंह में छाले

मुंह के छाले सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। ज्यादातर समय, मुंह के छालों को ज्यादा खतरनाक नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ गंभीर बीमारियों में मुंह में छाले आना एक महत्वपूर्ण संकेत रूप में दिखता है।

मुंह में छाले या घाव होने का कोई एक विशेष कारण अभी ज्ञात नहीं है लेकिन यह हर व्यक्ति में अलग–अलग कारणों के वजहों से हो सकता है। आमतौर पर यह हार्मोनल में असंतुलन, एसिडिटी, कब्ज, विटामिन–बी व सी की कमी, के साथ ही आयरन और अन्य पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है। इसके अलावा धूम्रपान, मसालेदार खाना, दांत से जीभ या गाल के अंदर की स्किन का काटना, तनाव, गर्भावस्था और जेनेटिक कारकों के वजह से भी होता है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि इनका इलाज किया जा सकता है।

तुलसी के पत्तेः तुलसी के पत्ते अपने औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं और सदियों से इसका इस्तेमाल स्वास्थ्य संबंधी कामों में किया जाता रहा है। यदि आपको मुंह में छाले हैं तो छुटकारा पाने के लिए कुछ ताजी पत्तियों को चबाएं और साथ में कुछ मात्रा में पानी पिएं। ऐसा प्रतिदिन करने से छाले कुछ ही समय में खत्म हो जाते हैं।

एलोवेरा जूसः यदि आपको मुंह में छाले है तो राहत पाने के लिए दिन भर में थोड़े–थोड़े मात्रा में एलोवेरा जूस का सेवन करें। एलोवेरा में भी सूजन–रोधी गुण होते हैं, और एलोवेरा का रस पेट के अल्सर के इलाज के लिए फायदेमंद भी जाना जाता है।

मुलेठीः मुलेठी पेट की समस्याओं के कारण होने वाले मुंह के छालों में मदद कर सकती है। आप इसे पीने के पानी और शहद के साथ मिलाकर ले सकते हैं। यह आपके पेट को साफ करने और अल्सर का कारण बनने वाले विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है।

खट्टे फलः मुंह में अल्सर का कारण विटामिन सी की कमी होता है। शरीर में इसके पूर्ति के लिए संतरे जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आप पर्याप्त विटामिन सी प्राप्त करने के लिए दिन में दो संतरे का सेवन कर सकते हैं।

दहीः आमतौर पर मुंह में छाले पेट में होने वाली गर्मी के कारण होत हैं। चूंकि अल्सर से जलन होती है, इसलिए हर तरह के मसाले और गर्म भोजन से दूर रहना ही सबसे अच्छा है। आप अल्सर में राहत पाने के लिए ठंडे दही का सेवन कर सकते हैं। दही में मौजूद गुण एसिडिटी की समस्या को कम करके पेट को ठंडा रखने का काम करते हैं।

कभी नहीं पड़ेगी दवाओं की जरूरत, बस ये काम छोड़ दें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

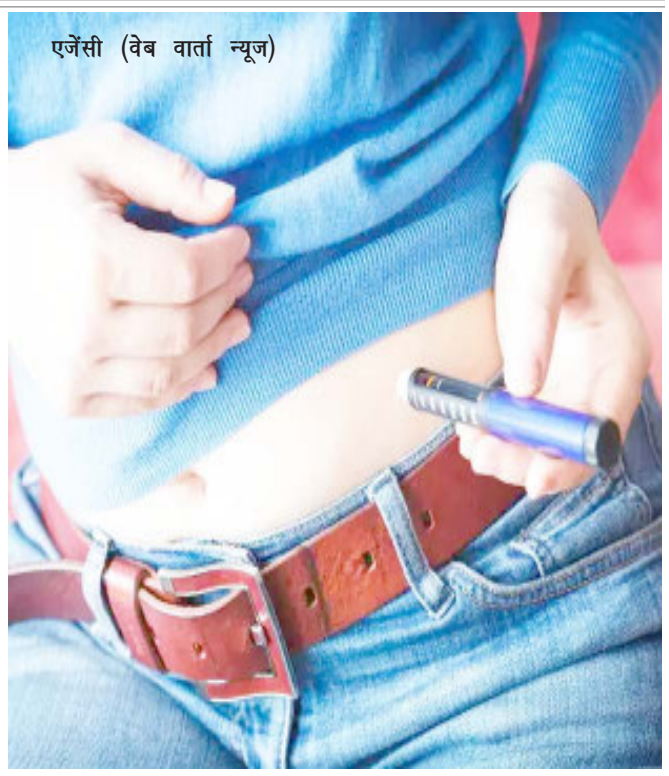

मधुमेह, शुगर की बीमारी या डायबीटीज एक तेजी से फैलता और गंभीर रोग है। दुर्भाग्यवश डायबिटीज का कोई स्थायी इलाज भी नहीं है। हालांकि इसे कंट्रोल रखकर सामान्य जीवन जी सकते हैं। डॉक्टर और एक्सपर्ट्स डायबिटीज के मरीजों को हेल्दी डाइट और हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करने की की सलाह देते हैं क्योंकि यही दो तरीके डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए सबसे ज्यादा प्रभावी हैं। डायबिटीज होने पर मरीज का ब्लड शुगर बढ़ने लगता है जिसे कंट्रोल रखना जरूरी है। इसके बढ़ने से ज्यादा प्यास लगना, पेशाब ज्यादा अना, धुंधला दिखना वजन घटना जैसी कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डायबिटीज कंट्रोल करने की कई दवाएं मौजूद हैं लेकिन आप कुछ आसान तरीके आजमाकर इस पर काबू पा सकते हैं।

डायबिटीज का आयुर्वेदिक इलाज क्या है?

आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार का कहना है कि मैं 5 साल से ज्यादा से डायबिटीज रोगियों पर काम कर रही हूं। 1000 से अधिक डायबिटीज रोगियों से परामर्श करने और उनमें से 96: से अधिक में पॉजिटिव रिजल्ट मिलने के बाद, मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि इन 5 चीजों से बचकर आपको ब्लड शुगर को लेवल को 15 दिनों में कम करने में मदद मिल सकती है।

सुस्त जीवनशैली से कर लें तौबा

डायबिटीज के मरीजों को रोजाना 40 मिनट की गति और 20 मिनट सांस लेना (प्राणायाम) अनिवार्य है। यदि आप डायबिटीज को रोकना या मैनेज करना चाहते हैं, तो सक्रिय रहना अनिवार्य है। इससे ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है और शरीर की प्रत्येक कोशिका को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलता है, लीवर डिटॉक्स होता है और इंसुलिन के उचित स्राव में मदद मिलती है।

खाने की इन चीजों से बचें

सफेद चीनी, मैदा (प्रोसेस्ड फूड), दही और ग्लूटेन जैसे गेहूं और गेहूं से बनी चीजों से दूर रहें। इसके बजाय फलो–सब्जियों का अधिक सेवन करें। गाय के दूध और घी को भी कम मात्रा लें। ज्वार, रागी, अमरनाथ और बाजरा जैसी चीजों का सेवन करें।

रात का खाना देर से खाना

जल्दी रात का खाना आपके ब्लड शुगर लेवल को कम करने और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज के जोखिम को कम करने के सबसे आसान तरीकों में से एक है। यदि संभव हो तो सूर्यास्त से पहले रात का भोजन कर लें। रात का भोजन 8 बजे से पहले करना सबसे अच्छा है।

खाने के तुरंत बाद न सोएं

हाई ब्लड शुगर वाले लोगों के लिए दिन में सोना सख्त मना है। दिन की नींद से शरीर में कफ दोष बढ़ जाता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। रात में भी– रात के खाने के 3–4 घंटे बाद सोने का सुझाव दिया जाता है।

सिर्फ डायबिटीज की दवाओं पर निर्भर रहना

एक स्वस्थ दिनचर्या का पालन नहीं करना और पूरी तरह से डायबिटीज की दवओं पर निर्भर रहना आपके लीवर और किडनी को कम उम्र में नुकसान पहुंचा सकता है।

नहीं खानी पड़ेगी दवा, किचन में रखी ये चीजें हैं नेचुरल पेन किलर

दर्द निवारक सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, गठिया, या अन्य दर्द और दर्द को कम करने या राहत पहुंचाने का काम करती है। ऐसे में जब भी आपके शरीर के किसी भी अंग में जरा सा भी दर्द होने पर आप तुरंत पेन किलर्स खा लेते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आपके स्वास्थ्य और सेहत के लिए कितना हानिकारक है? ज्यादा या नियमित रूप से पेन किलर खाने से आपकी याददाश्त कमजोर हो सकती है। साथ ही यह आपके किडनी और लीवर के लिए भी हानिकारक होता है। हालांकि गंभीर परिस्थितियों में डॉक्टर के प्रिस्क्रीप्शन या ओवर–द–काउंटर (ओटीसी) पेन किलर लेना जरूरी होता है। ऐसी स्थिति न होने पर आपको दर्द से राहत पाने के लिए प्राकृतिक पेन किलर्स का उपयोग ही करना चाहिए। कई जड़ी–बूटियों और मसालों को सूजन और दर्द को दूर करने के लिए प्राचीन समय से उपयोग में लाया जा रहा है। ये नेचुरल पेन किलर्स चिकित्सा की पुरानी पद्धतियों जैसे एक्यूपंक्चर, योग, रेकी में भी शामिल है। मजेदार बात यह है कि ये प्राकृतिक पेन किलर आपको अपने घर और रसोई में ही मिल जाएगी।

खून मे गंदा कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर त्वचा पर दिखने लगते हैं ये लक्षण

उच्च कोलेस्ट्रॉल तब होता है जब आपके रक्त में कोलेस्ट्रॉल नामक वसायुक्त पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है। यह मुख्य रूप से वसायुक्त भोजन खाने, पर्याप्त व्यायाम न करने, अधिक वजन होने, धूम्रपान और शराब पीने के कारण होता है। कई मामलों में यह जेनेटिक भी होता है। बहुत अधिक कोलेस्ट्रॉल आपकी खून की नलियों में रूकावट पैदा कर सकता है। इससे आपको दिल से संबंधित बीमारी या स्ट्रोक होने की संभावना बढ़ जाती है। उच्च कोलेस्ट्रॉल घातक साबित हो सकता है और इसमें अचानक मृत्यु होने का खतरा भी बना रहता है। जब व्यक्ति के शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है, तो इस दौरान आंखों में कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। इस स्थिति को जैंथेल्मा कहते हैं। इसमें आंखों के कोने के आसपास पीले और नारंगी रंग की मोमी परत जमने लगती है। यह त्वचा के नीचे कोलेस्ट्रॉल जमा होने के कारण होता है। आंखों की त्वचा पर होने वाले बदलाव की स्थिति जैंथेल्मा जैसा ही होता है जैंथोमा। इसमें पैरों की निचली और हथेलियों के पीछे की त्वचा पर पीले रंग की मोमी परत जमने लगती है। अपने कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है।

चावल बनाने का यह तरीका बिगाड़ देगा सेहत

चालव कार्बोहाइड्रेट से भरपूर एक ऐसा फूड है, जो दुनियाभर में खाया जाता है। यह भारत, चीन और दक्षिण पूर्व एशिया सहित कुछ देशों में सबसे ज्यादा खाया जाता है। चावल कई प्रकार और रंग के होते हैं। हर तरह के चावल के अपने अलग–अलग फायदे–नुकसान भी होते हैं। ऐसा माना जाता है कि चावल में कार्बोहाइड्रेट के अलावा फाइबर और और प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। अगर चावल को बनाने की बात करें, तो अधिकतर लोग चावल को दो तरीको से बनाना पसंद करते हैं। पहला तरीका है चावल को पानी में उबालकर पानी को निकाल देना और दूसरा, बिना पानी निकाले चावल को उबालना। अब सवाल यह है कि चावल के फायदे लेने के लिए बनाने का सही तरीका क्या है? सबसे पहले बहते पानी में चावल को तब तक धोना चाहिए, जब तक उसमें से गंदगी साफ नहीं हो जाती है। अगर आप रोजाना चावल खाते हैं, तो आपको सोना मसूरी या अम्बर मोहर किस्म के चावल खाने चाहिए। बासमती चावल भारी होते हैं और महीने में एक या दो बार खाना ही बेहतर है। कुछ लोग चावल बनाते समय एक गलत तरीके का इस्तेमाल करते हैं और वो यह है कि वो पानी और चावल को एक साथ बर्तन में डालकर पकाते हैं।

36 साल का सूखा एजबेस्टन में खत्म

1986 में इंग्लैंड के दौरे पर गावस्कर ने आखिरी बार भारत की तरफ से अर्धशतक जमाया था। जब से अब तक कोई भी भारतीय ओपनर ऐसा करने में कामयाब नहीं हो पाया था। 139 गेंद पर 5 चौके की मदद से अर्धशतक पूरा कर 36 साल के लंबे इंतजार को पुजारा ने 2022 में आखिरकार खत्म किया। गौतम गंभीर ने इस मैदान पर 38 रन की पारी खेली थी जो गावस्कर के बाद भारतीय ओपनर की सबसे बड़ी पारी रही थी।

चेतेश्वर पुजारा ने शानदार वापसी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से कुछ दिन पहले बाहर हो चुके चेतेश्वर पुजारा ने शानदार वापसी की है। टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के काउंटी में रनों का अंबार लगाते हुए पुजारा ने टीम इंडिया मैं जगह बनाई और एजबेस्टन में बतौर ओपनर कमाल कर दिखाया। 36 साल से चले आ रहे सूखे को इस भारतीय बल्लेबाज ने खत्म करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में टीम को बड़ी बढ़त दिलाई। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दौरे पर खेली गई टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में खेलते हुए तीसरे दिन पकड़ मजबूत कर ली थी। पहली पारी में 416 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को 284 रन पर ढेर करते हुए भारत ने 132 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल खत्म होने के वक्त 3 विकेट पर टीम ने 125 रन बनाए थे। पुजारा अर्धशतक जमाकर खेल रहे थे जबकि रिषभ पंत 30 रन पर नाबाद थे। चेतेश्वर पुजारा को भारत की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद पारी की शुरुआत करने का मौका मिला।

हमारे बीच 10 सालों से भी ज्यादा की जान पहचान

क्रिकेट

विराट कोहली और जानी बेयरस्टो को बीच हुई मैदान पर झडप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला बर्मिंघम में खेला जा रहा है। मैच के तीसरे दिन मैदान पर इंग्लैंड के बल्लेबाज जानी बेयरस्टो और भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच झडप हो गई। मामला इतना बढ़ गया था कि अंपायरों को बीच बचाव के लिए आना पड़ गया। दिन का मैच खत्म होने के बाद इंग्लिश विकेटकीपर ने इस मामले में बयान दिया और बताया कि क्या हुआ है।

मैदान पर बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लिश विकेटकीपर बेयरस्टो और विराट के बीच हुई झड़प के बाद पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट करते हुए लिखा, विराट के स्लेजिंग से पहले बेयरस्टो ने 21 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी जबकि उनके

झड़प के बाद उनका स्ट्राइक रेट 150 की हो गई थी।

दिन का खेल खत्म होने के बाद जब कोहली के बारे में यही सवाल बेयरस्टो से किया गया तो उनका जवाब बड़ा ही दिलचस्प था। ब्रिटिश मीडिया की तरफ से सवाल किया गया क्या उन्होंने भालू को उकसा दिया। जवाब में इंग्लैंड के विकेटकीपर ने कह– वाह ये तो बहुत ही अच्छी लाइन है। आगे बेयरस्टो ने मजाकिया लहजे में इस सवाल पर जवाब देते हुए कहा, वो दरअसल क्या हुआ कि उनको मैंने डिनर पर बुलाने से मना कर दिया था।

इस पर गंभीरता से जवाब देते हुए उनका कहना था, देखिए जैसा कि मैंने आप सभी को बताया कि हमारे बीच ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है, सच मानिए हम दोनों के बीच सबकुछ बिल्कुल ठीक है। हमारे बीच 10 सालों से भी ज्यादा की जान पहचान है। एक दूसरे के खिलाफ खेलते हुए हमें इतना वक्त तो हो ही चुका है इसी वजह से कह रहा हूं भरोसा रखिए कि मुझे इस बात का यकीन है कि बहुत जल्दी ही दोनों साथ में एक जगह पर डिनर करते नजर आएंगे। इस बात को लेकर इतनी ज्यादा चिंता करने जैसा कुछ भी नहीं है।

बुमराह ने वर्ल्ड रिकार्ड बनाने के बाद अब तोड़ा महान कपिल देव का रिकार्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में मजबूत पकड़ बना चुकी है। मैच के तीसरे दिन भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी 284 रन पर समेट 132 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरी पारी में 3 विकेट पर 125 रन बनाकर बढ़त को 257 रन तक पहुंचा दिया। इस मैच में भारत की तरफ से कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने धमाकेदार खेल दिखाया है।

पहले बल्ले से और फिर गेंदबाजी में उन्होंने रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन किया। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में पिछले दौरे पर खेला जाने वाला आखिरी मुकाबला हो रहा है। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 416 रन

का स्कोर खड़ा किया था और फिर इंग्लैंड को 284 रन पर ढेर कर दिया। दूसरी पारी में चेतेश्वर पुजारा के अर्धशतक के दम पर अपनी कुल बढ़त 257 रन बना ली। पहली पारी में शतक जमाने वाले रिषभ पंत तीसरे दिन पुजारा के साथ मैदान पर 30 रन बनाकर नाबाद थे। भारतीय टीम की कमान संभाल रहे बल्लेबाजी करते हुए स्टुअर्ट ब्राड के खिलाफ एक ओवर में 35 रन का वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। इसके बाद गेंदबाजी में दिग्गज कपिल देव का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। पहले 30 टेस्ट खेलने के बाद बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

कोहली ने आस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड के खिलाफ किया ये कमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी को 284 रन पर ढेर कर टीम ने 132 रन की बड़ी अहम बढ़त हासिल की। भारत ने चेतेश्वर पुजारा के अर्धशतक की बदौलत दूसरी पारी में 3 विकेट पर 125 रन बनाकर बढ़त 257 रन कर ली थी। इंग्लैंड के खिलाफ भले ही विराट कोहली दोनों पारियों में रन बनाने में नाकाम रहे लेकिन फिर भी उन्होंने एक खास रिकार्ड बनाया। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में एक कैच पकड़ा वो भी शतक बनाने वाले जानी बेयरस्टो का। इस कैच को लेने के साथ ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ कैच का अर्धशतक जड़ दिया। इसकी वजह से उनके नाम एक खास रिकार्ड दर्ज हो गया। यह रिकार्ड बल्लेबाजी का नहीं बल्कि फील्डिंग का है। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में एक कैच पकड़ा वो भी शतक बनाने वाले जानी बेयरस्टो का।

न्यूज डायरी

कोहली को लेकर सच हुई इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की भविष्यवाणी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का बल्ला लगातार रन बनाने के लिए जूझ रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे पिछले दौरे की सीरीज के 5वें टेस्ट में भी उनको नाकामी ही हाथ लगी। बर्मिंघम टेस्ट की दोनों पारियों में वह सस्ते में आउट होकर वापस लौटे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान की भविष्यवाणी सही साबित हुई और इंग्लिश टीम ने वो कर दिखाया जिसका उनके पूर्व कप्तान ने सुझाव दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने तीसरे दिन अपनी पकड़ और भी मजबूत कर ली। पहली पारी में 416 रन बनाने के बाद भारतीय टीम ने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लिश टीम को महज 284 रन पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड की टीम के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में उतरने से पहले विराट कोहली को लेकर पूर्व कप्तान वान ने भविष्यवाणी की थी। उन्होंने इंग्लिश टीम से कहा था कि वह इस भारतीय बल्लेबाज के खिलाफ खास रणनीति बनाकर उतरे और उनको किसी भी तरह से 30 रन के अंदर रोके क्योंकि अगर कोहली ने 30 रन का स्कोर पार कर लिया तो शतक बनाकर ही रुकेंगे।

बेपरवाह, लापरवाह है... केविन पीटरसन ने कप्तान बेन स्टोक्स को धो डाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने एजबेस्टन टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ पहली पारी में बल्लेबाजी करने के लिए मौजूदा कप्तान बेन स्टोक्स की खिंचाई की है। स्टोक्स इंग्लैंड की पहली पारी में 25 रन पर आउट हो गए। कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी द्वारा विकेट के दोनों ओर हमले करने के बाद, स्टोक्स ने इस प्रक्रिया में कुछ रन हासिल करते हुए तेज गेंदबाजों के खिलाफ तेज रन बनाने का विकल्प चुना। शार्दुल ठाकुर और बुमराह के आसान कैच छोड़ने से उन्हें दो बार जीवनदान मिला। इसके बाद स्टोक्स, शार्दुल की गेंद पर एक बड़ा शॉट लगाने के लिए बाहर निकले और बुमराह ने मिड–ऑफ पर एक शानदार डाइविंग कैच लिया। इस तरह बेयरस्टो के साथ उनकी 66 रन की साझेदारी समाप्त हो गई। पीटरसन ने लंच ब्रेक के दौरान कहा, 'मैंने स्टोक्स को दबाव में खेलते देख रहा था। वह गेंद को हवा में मार रहे थे। यह लापरवाह बल्लेबाजी थी। यह आपके विकेट का बचाव नहीं कर रहा था।

सिराज ने बताया इंग्लैंड को चित करने का क्या है मास्टर प्लान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि जब बल्लेबाज ने आक्रामक रवैया अपनाया हो तो गेंदबाज के लिए धैर्य रखना जरूरी होता है। जॉनी बेयरस्टो ने भारत के खिलाफ मौजूदा पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान आक्रामक रुख अपनाया और लगातार तीसरे टेस्ट में शतक जड़ा। उनके शतक की मदद से इंग्लैंड ने भारत के 416 रन के जवाब में पहली पारी में 284 रन बनाए। बेयरस्टो ने धीमी शुरुआत के बाद आक्रामक रुख अपनाया और अपनी पारी में 14 चौके और दो छक्के मारे। मेहमान टीम के लिए मैच में अब तक सबसे सफल गेंदबाज सिराज ने कहा कि बेयरस्टो के तूफानी तेवरों से भारतीय गेंदबाज परेशान नहीं थे।

रोहित शर्मा कोविड–19 से उबरने के बाद आइसोलेशन से बाहर आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली।। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा कोविड–19 से उबर चुके हैं और वो इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान ही भारतीय क्रिकेट टीम के साथ एजबेस्टन में जुड़ गए हैं। रोहित शर्मा लीसेस्टरशायर के खिलाफ खेले गए चार दिवसीय वार्म–अप मैच के दौरान कोविड पाजिटिव पाए गए थे। इसके बाद वो टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे और उनकी जगह जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया था। रोहित शर्मा अब फिट लग रहे हैं और वो इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में कप्तानी के लिए तैयार दिख रहे हैं जिसकी शुरुआत 7 जुलाई से होगी।

पेज थ्री देहरादून

पत्रकार वार्ता के दौरानल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा व अन्य।

देहरादून, मंगलवार, 5 जुलाई 2022 पेज 8

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगारी दर में अप्रत्याशित वृद्धि सरकार की नाकामी

संवाददाता विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की नाकामी एवं अदूरदर्शिता के चलते बेरोजगारी दर 8.7 फ़ीसदी हो गई है, अगर इन आंकड़ों की धरातल पर बात करें तो ये कहीं अधिक हैं द्य बेरोजगारी दर का बढ़ना बहुत ही चिंता का विषय है। नेगी ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारों की फौज लगातार बढ़ती जा रही है ,लेकिन सरकार ने कभी भी धरातल पर इसकी चिंता नहीं की। सरकार को अगर फिक्र है तो सिर्फ शराब/खनन कारोबारियों की।

टौंस नदी के किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी

संवाददाता देहरादून। गढ़ी कैंट क्षेत्र में टौंस नदी के किनारे घट्टीखोला गांव के पास एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस को शव के पास से ऐसा का कुछ नहीं मिला है, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। शिनाख्त के लिए शव को 72 घंटे के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

कोरोना योद्धा राजकरण सिंह को अर्पित की श्रद्धाजंलि

संवाददाता ऋषिकेश। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट एवं सिंह परिवार के सदस्यों ने लखनऊ निवासी गंगा व गौ प्रेमी और कोरोना योद्धा स्वर्गीय राजकरण सिंह ऊर्फ मुन्ना सिंह के भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये उनकी आत्मा की शान्ति हेतु मौन रखा। जानकीपुल पूर्णानंद घाट गंगा तट पर महिलाओं द्वारा होने वाली माँ गंगा की आरती स्वर्गीय श्री स्वर्गीय राजकरण सिंह ऊर्फ मुन्ना सिंह को समर्पित की। कोरोना संक्रमण काल में उन्होंने जान की परवाह किए बगैर लोगों को संक्रमण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, कोरोना संक्रमण काल के दौरान 1000 लोगों को प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था कराना।

गुरु पूर्णिमा का दिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अति उत्तम

संवाददाता देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक एवं संचालक आशुतोष महाराज ने कहा कि शताब्दियों पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास जी का अवतरण हुआ था। वही वेद व्यास जी, जिन्होंने वैदिक ऋचाओं का संकलन कर चार वेदों के रूप में वर्गीकरण किया था। 18 पुराणों, 18 उप–पुराणों, उपनिषदों, ब्रह्मसूत्र, महाभारत आदि अतुलनीय ग्रंथों को लेखनीबद्ध करने का श्रेय भी इन्हें ही जाता है।

मानसून के मद्देनजर राजकीय कर्मियों के अवकाश पर सितंबर तक रोक

आदेश

■ मुख्य सचिव ने जारी किए आदेश, अपरिहार्य कारणों में ही मिल सकेगा अवकाश

■ अब करीब 15 हजार शिक्षकों में से 12 हजार शिक्षकों का तबादला नहीं होगा

संवाददाता

देहरादून। मानसून सीजन के मद्देनजर राजकीय कर्मियों के अवकाश पर सितंबर माह तक रोक लगा दी गई है। मुख्य सचिव ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिए हैं। राजकीय कर्मियों को अपरिहार्य कारणों में ही अवकाश मिल सकेगा।

अति दुर्गम व दुर्गम के आठ हजार शिक्षक रहेंगे तबादले से वंचितः वहीं वार्षिक स्थानांतरण अधिनियम–2017 में 15 प्रतिशत तबादले का नियम यदि प्रभावी रहा तो शिक्षा विभाग में अति दुर्गम व दुर्गम में वर्षों से कार्यरत करीब आठ हजार बेसिक शिक्षक, सहायक अध्यापक व प्रवक्ताओं का इस बार भी सुगम में तबादला नहीं हो पाएगा।

पिछले दो साल तक नहीं हुआ किसी भी शिक्षक का तबादलाः विदित रहे कि पिछले दो साल

तक कोविड–19 का अत्याधिक प्रसार होने के कारण किसी भी शिक्षक का तबादला नहीं हुआ। ऐसे में सत्र शून्य मान लिया गया। केवल अनिवार्य अनुरोध के तहत कुछ तबादले नियम–27 के तहत किए गए।

इस वर्ष पहाड़ी जनपदों में 15 से 18 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को उम्मीद थी कि उन्हें सुगम विद्यालय मिलेंगे, लेकिन अब करीब 15 हजार शिक्षकों में से 12 हजार शिक्षकों का तबादला नहीं होगा। इनमें से आठ हजार शिक्षक अति दुर्गम व दुर्गम क्षेत्रों से ही हैं।

इस वर्ष विभाग ने तबादले को लेकर प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षकों को आवेदन करने की छूट दी थी। 10 जून 2022 तक प्राप्त आवेदन के बाद शिक्षा विभाग ने मानकों को ध्यान में रखते तबादला सूची तैयार की। जिसमें बेसिक के 7050, सहायक अध्यापक (एलटी) के 4410, प्रवक्ता के 3740 शिक्षकों को शामिल किया गया था।

बीते 30 जून को मुख्य सचिव ने शासनादेश जारी कर वार्षिक स्थानांतरण अधिनियम–2017 के तहत 15 प्रतिशत तबादले को लेकर निर्देशित किया है। ऐसे में प्रदेशभर के करीब 12 हजार और पर्वतीय जनपदों के दूरदराज स्थित अति दुर्गम व दुर्गम के कार्यरत आठ शिक्षकों को इस साल भी सुगम में स्थानांतरण का इंतजार करना होगा।

भूस्खलन से कई मार्ग बंद, नदियां उफान पर

देहरादून। उत्तराखंड में मॉनसून आते ही कई जिलों को गर्मी से राहत मिली है, तो वहीं पहाड़ी इलाकों की मुसीबत भी बढ़ी है। जगह–जगह भूस्खलन से मार्ग बंद होने और नदियों के उफान से लोग सहमे हुए हैं।

भाजपा की वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति देश को कमजोर करने वालीः कांग्रेस

संवाददाता देहरादून उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उदयपुर हत्याकाण्ड पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उदयपुर की आतंकी घटना और उसके बाद के घटनाक्रम ने सिद्ध कर दिया है कि, ''एक ओर भाजपा न केवल देश में आतंक का माहौल बना कर मतों के ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है।'' दूसरी ओर कुछ मीडिया समूहों के सहयोग से झूठी खबरें परोस कर अपने प्रवक्ताओं, वरिष्ठ नेताओं से बयान दिलवाकर सुनियोजित तरीके से विपक्ष के नेताओं की छवि खराब करने का सुनियोजित षड़यंत्र कर रही है। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि,'' भाजपा की वोटों के ध्रुवीकरण की ये राजनीति देश और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है। आज भले ही ध्रुवीकरण की सस्ती राजनीति से उसे चुनावी लाभ मिल रहा हो लेकिन, लंबे समय में यह देश की एकता, विकास, खुशहाली और स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है।''

दिल्ली में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर पहली बैठक

बैठक

■मुख्यमंत्री ने तिरुपति बालाजी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमाला पर्वत पर स्थित भगवान श्री तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा–अर्चना की। मुख्यमंत्री ने वेंकटेश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं कल्याण की कामना की। दूसरी ओर आज दिल्ली के उत्तराखंड सदन में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर पहली बैठक आयोजित की गई है। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

और दिल्ली प्रवास पर है। वह भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भाग लेने के लिए हैदराबाद रवाना गए थे। शनिवार और रविवार को वह बैठक में शामिल हुए थे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक और पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य त्रिवेंद्र सिंह रावत भी हैदराबाद पहुंचे थे।

दो दिवसीय कार्यकारिणी में प्रदेश से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्री व कार्यकारिणी के सदस्य त्रिवेंद्र सिंह रावत समेत कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी हैदराबाद पहुंचे। भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों व पदाधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने बैठक में भाग लिया। उन्होंने बैठक की तस्वीरों को अपनी फेसबुक पर भी साझा किया। दूसरी ओर आज दिल्ली के उत्तराखंड सदन में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर पहली बैठक आयोजित की गई है। बैठक के बाद कमेटी की ओर से ब्रीफिंग की जा सकती है। यूसीसी कमेटी में चार सदस्य है।

रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित की गई है विशेषज्ञ समितिः उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को कानूनी रूप देने के लिए प्रदेश सरकार ने इसी वर्ष 27 मई को उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में छह माह के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया।

आईएएस यादव मामले में एक दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

संवाददाता देहरादून। आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में जेल में बंद पूर्व आईएएस रामविलास यादव को विजिलेंस कस्टडी रिमांड पर लेगी। विजिलेंस स्पेशल कोर्ट ने एक दिन की पुलिस रिमांड को मंजूर किया है। गिरफ्तारी के पहले विजिलेंस के सवालों का यादव ने जवाब नहीं दिया था। उनके परिवार से भी कोई जानकारी नहीं मिली। शनिवार को यादव की बेटी और बेटा विजिलेंस के सामने आए थे। अब मंगलवार 5 जुलाई को कस्टडी में लेकर विजिलेंस पूछताछ करना चाहती है। विजिलेंस उन्हें नोटिस पर नोटिस भेजती रही, लेकिन उन्होंने जवाब तक देने की जहमत नहीं उठाई, जिसके बाद विजिलेंस ने यादव को पुलिस कस्टडी पर लेने के लिए कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में निलंबित आईएएस रामविलास यादव को विजिलेंस ने गिरफ्तार किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।